

कम्प्यूटर टाईपिंग बुक

हिन्दी
टाईपिंग



मूल्य : ₹ 60/-



**ASCENT
PRIME
PUBLICATIONS**

MK Dadrwal

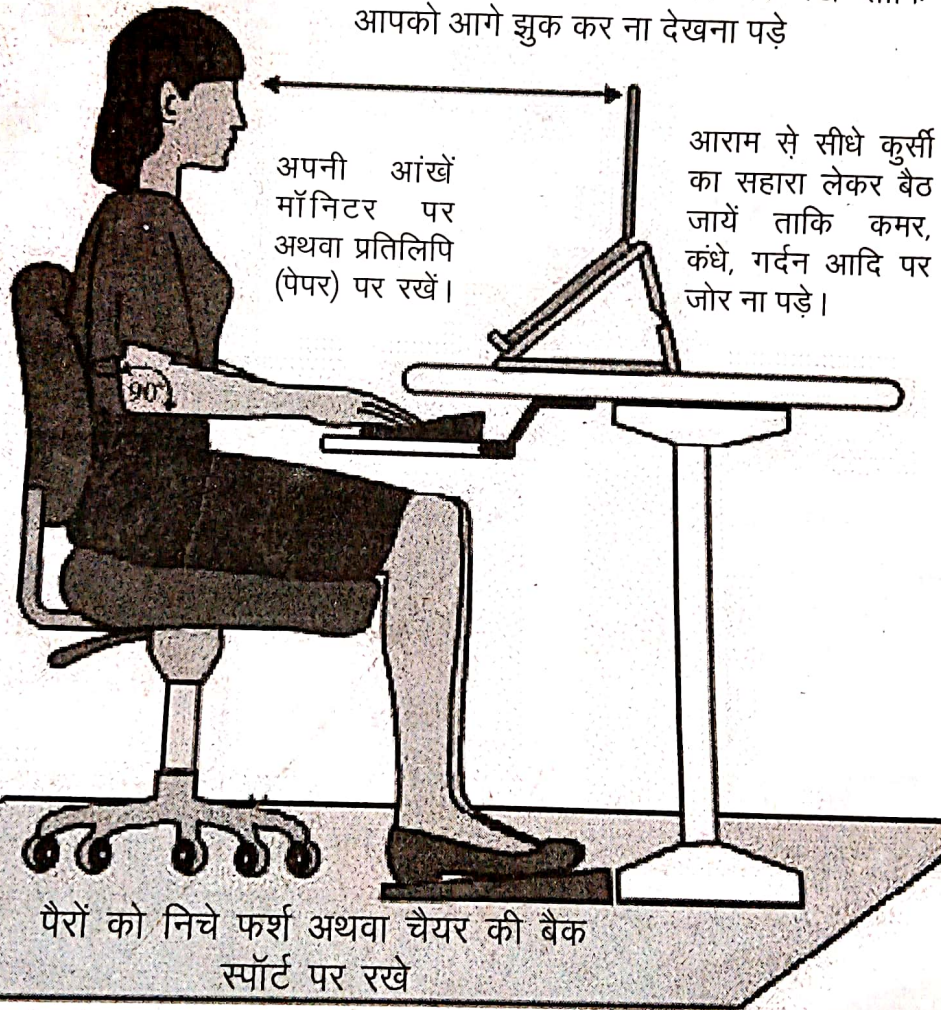
हिन्दी टाईपिंग

Seating Arrangement on Computer (कम्प्यूटर पर बैठने की व्यवस्था)

मॉनिटर को आंख के स्तर पर रखें ताकि आपको आगे झुक कर ना देखना पड़े

अपनी आंखें
मॉनिटर पर
अथवा प्रतिलिपि
(पेपर) पर रखें।

आराम से सीधे कुर्सी
का सहारा लेकर बैठ
जायें ताकि कमर,
कंधे, गर्दन आदि पर
जोर ना पड़े।



पैरों को निचे फर्श अथवा चैयर की बैक
सपोर्ट पर रखे

एसेन्ट प्राइम पब्लिकेशंस

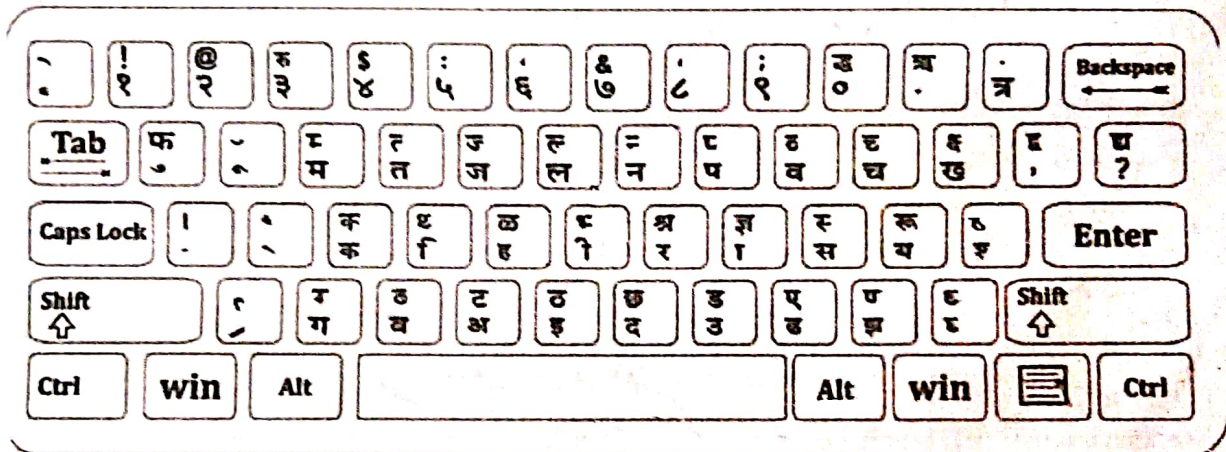
बी-45, गणेश कॉलोनी, पिलानी-333031 (राज.)

फोन: 01596-245002, 245003, 9829890411

हिन्दी कीबोर्ड लेआउट

दोस्तों अंग्रेजी की टाईपिंग सीखने के बाद, अब हम हिन्दी की टाईपिंग सीखेंगे। तो आओ अब हम धीरे-धीरे हिन्दी की टाईपिंग की तरफ बढ़ते हैं तथा सर्वप्रथम हम हिन्दी कीबोर्ड के लेआउट को देखते हैं जो रेमिंग्टन कीबोर्ड है। इसका लेआउट निम्न प्रकार होगा।

हिन्दी रेमिंग्टन कि-बोर्ड



दोस्तों भाषा की अभिव्यक्ति के लिए ध्वनि का प्रयोग किया जाता है, छोटे से छोटी ध्वनि को वर्ण कहते हैं। हिन्दी भाषा में वर्ण दो प्रकार के होते हैं, एक स्वर तथा दूसरा व्यंजन।

स्वर											
अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
व्यंजन											
				क	ख	ग	घ	ङ			
				च	छ	ज	झ	ञ			
				ट	ठ	ड	ढ	ण			
				त	थ	द	ध	न			
				प	फ	ब	भ	म			
				य	र	ल	व				
				श	ष	स	ह				
				क्ष	त्र	ज्ञ	श्र				

(1) होम की के वर्णों का अभ्यास

A I a .	S 0 s 0	D क d क	F थ f ठि	G ङ g ह	H भ h णी	J श्र j र	K झ k ङा	L स् l स	: रु ; य	" ष ' श
------------	------------	------------	-------------	------------	-------------	--------------	-------------	-------------	-------------	------------

कस	कर	रस	यस	हस	हर	कहर	शहर	कसर	यह	कह
हक	सक	यक	सह	सर	हय	रह	रय	करस	यर	सयस
रहस	कहस	रसय	हरस	हरक	यश	यष	शक	षय	शह	षर
सरक	यकर	हकर	भकर	भक	भस	भय	भर	भहस	भहर	भरस
यश	यष	शक	षय	शह	षर					

उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएं जब तक कि आपकी अंगुलियां होम की पर अच्छी तरह से सैट ना हो जाए। यहाँ **भ** को टाईप करने के लिये **भ** लिख कर उसके आगे आ की मात्रा लगा कर पूरा करें तथा **श** और **ष** भी एक ही कुंजी द्वारा लिखे जाते हैं **ष** लिखने के लिए शिफ्ट कुंजी का उपयोग करें तथा आधे अक्षर के रूप में लिखे जाते हैं उनको भी आ की मात्रा लगा कर पूरा करें। यहाँ हमने मात्रा का अभ्यास एक बार के लिए अधूरा छोड़ा है उसका अभ्यास आगे करेंगे।

नोट:

1. हिंदी टाईपिंग में केप्स लॉक ऑन करने के बाद कुछ कुंजियों को छोड़कर आधे अक्षर लिखे जाते हैं।
2. कुछ अक्षर आधे ही लिखे जाते हैं उन्हें पूरा करने के लिए आ की मात्रा का प्रयोग किया जाता है।

कुछ कुंजियों में दो वर्ण होते हैं जैसे यहाँ **A, F, H, J, K** तथा **; में** है। उनका अभ्यास आगे किया जायेगा।

(2) प्रथम लाईन की के वर्णों का अभ्यास

	फ	म	त	ज	ल	न	प	व	च	ख	द्व	द्य
Tab	Q फ q ु	W 0 w ू	E म e म	R त r त	T ज t ज	Y ल y ल	U न u न	I प i प	O व o व	P च p च	{ द्व [ख	} द्य , द्य

फल मल जल नल पन चल चख मज तज नज वचन फच नख वख जलन तमच ललन लफज पवन चखन मज नमन तल तलम फतम मतल पन नप जन द्वन द्यन द्यल मद्य द्वम खन खनन लप लफज नत नतम द्यफ वच वचल लच चमच खनत नखत खत नत मत जमज पचन कचन मचल जचल तम तमच पजन जन नच पच मद्य पद्य द्वज फल फलन वतन तन खनन खनच।

नोट:- उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएं जब तक आपकी अंगुलियां प्रथम पंक्ति पर अच्छी तरह से सैट ना हो जाए। यहाँ **ख** को टाईप करने के लिये **ख** लिख कर उसके आगे आ की मात्रा लगा कर पूरा किया गया है तथा **फ**, **द्व**, तथा **द्य** लिखने के लिए शिफ्ट कुंजी का उपयोग किया गया है। इसके अलावा हिंदी में आधे अक्षर लिखने के लिए भी शिफ्ट कुंजी का उपयोग किया जाता। यहाँ हमने एक बार फिर मात्रा का अभ्यास अधूरा छोड़ा है इनका अभ्यास आगे करेंगे।

(3) अन्तिम लाईन की केवर्णों का अभ्यास

	ॡ	ग ग	ब ढ	अ ट	इ ठ	द छ	उ ड	ए ढ	ण झ	ॢ ॣ	
Shift	Z ॡ z ॢ	X ग x ग	C ढ c ढ	V ट v अ	B ठ b ढ	N छ n द	M ड m उ	< ढ , ए	> झ . ण	? ॢ / ॣ	Shift

अब टब गब उब एब दब इब उब उग गण बण अण उण एग धइ एइ ग्रद ब्रण गबण बद बध इद उद गद बद अइ उइ दइ टब टण ठट ठछ बछ उठ गछ बछ डग गड टंग टछ गझ झझ घग ढग इठ इछ इघ छट छटग बणगट ढग घइ धद र्दढ गछ डर्ग उब्र टंग र्दग ग्रद उछ गछ अछ ।

नोट: उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएं जब तक आपकी अंगुलियां अन्तिम पंक्ति पर अच्छी तरह से सैट ना हो जाएं। इस लाईन में लगभग सभी कुंजियों में दो अक्षर हैं। जैसे प्रथम की में ॡ, ॢ दो वर्ण हैं इनमें प्रथम अक्षर को सामान्य तथा दूसरे अक्षर को शिफ्ट कुंजी के साथ लिखा जायेगा। जहाँ दो अक्षर हैं वहाँ निचे के अक्षर को सामान्यत तरीके से तथा ऊपर के अक्षर शिफ्ट कुंजी के साथ लिखा जायगा। आधे अक्षर लिखने के लिए हिंदी में शिफ्ट कुंजी का प्रयोग किया जाता है। यहाँ हमने एक बार फिर मात्रा का अभ्यास अधुरा छोड़ा है उसका अभ्यास आगे करेंगे।

1. सामान्य दो और तीन अक्षरों के शब्दों के अभ्यास कार्य

जब सब तब नभ कब रट तट बच सच नच चख रख थक वक जद दल नभ कल बल सल खग नस तम जल बल दल कल खग पख ठग तन मन धन जन उन घट हट सट पट नट खस रस चस नस कस दस डक ढक तक शक पर कर उर डर भर नर चर मग पग टब वन नट सट खट फल बस धन जस तस गस सस नस भस ठस ।

लहर डहर ढहर कहर पहर चमक दमल कलश कलस जलस टहल दहल महल फसल सफल मसल गसल दहल भगत पहन सहन चहल दमक सबक सबट मगन छगन नगन जगन कलम नरम सरम पहल दहल चहल बहल लहल महल छलक पलक सलक हवन सवन चमन चकन चसन नमन लपक वनज सजन नजन सहन रहन कहन ढकन सकन झपक पटक सटक अटल सटल पलट सलट पवन कसम मटर सटर गटर सटर नहर सहर जहर कलम सलम सहन ।

नोट: उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएं जब तक कि आपकी अंगुलियां सामान्य शब्दों पर सैट ना हो जाएं। यहाँ प्रयोग किए गए सभी शब्द दो और तीन अक्षरों के प्रयोग से बने हैं जो लिखने में काफी आसान व सरल है। इनको चार पांच बार अवश्य लिखे ऐसा करने पर आपको सभी कीबोर्ड की आसानी से याद हो जाएंगी।

2. सामान्य चार अक्षरों के शब्दों के अभ्यास कार्य

बरतन सरतन करतन कटहल सटहल मटहल बरगद सरगद मरगद चमचम छम छम टमटम समटम
नटखट सटखट फटफट सरगम तरकश बरगद हड़बड़ गड़बड़ पतझड़ अनपढ़ सबपढ़ गड़बड़ सटपट
पनघट घटपट पलभर सलभर सलवट मलवट अलवर नटवर सटवर पटवन सटवन हलधर सलधर
मलमल चलचल पलभर घर चल मखमल चखमल सदमल हरकत सरकत नफरत कसरत भगवन भगवत
पचपन छपन उबटन सुबटन गरदन सरदन सरहद मरहद नटवर अफसर हमसफर जमघट अदरक
हलदर जलचर नभचर अकबर सकबर कटहल दमकल।

नोट:-उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक आपकी अंगुलियां सामान्य शब्दों पर सैट ना हो जाएँ। यहाँ प्रयोग किए गए सभी शब्द चार अक्षरों के प्रयोग किए गए हैं जो लिखने में काफी आसान व सरल है। इनको चार-पांच बार अवश्य लिखें। ऐसा करने से आपको कीबोर्ड की सभी कुंजियां आसानी से याद हो जाएगी तथा हाथों की अंगुलियां घेराव के रूप में कार्य करने लगेंगी।

3. आ की मात्रा के शब्दों का अभ्यास कार्य

k में आ की मात्रा (i) होती है जिसका प्रयोग अधुरे अक्षरों को पूरा करने व शब्दों के (आ) की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है। जैसे— $ख + i = ख$, $ख + i + ट = खाट$

अभ्यास कार्य

नाम दाम साम काम दाल साल माल माला साला गाल मान हवा सवा दवा जला काला काका साका
नाका माजा साज नाज काज डाक ढाल पाप पापा मामा नाना दादा गाव तार ताता कार थाल राजा
बादल सादल साजन माजन पाचन पाचक काजल आकास पलाल गमला समला पलान पाताल लड़का
चालक सालक आचार अचार हलवा सलवा अखबार सखबार दरबार पकवान सकवान दरवाजा दरबान
बलवान पकवान अरमान यजमान सजमान पाठशाला गउशाला राजाराम आसमान धरातल।

जमना इधर आ। नाना बाजा बजा रहा था यमन नाना पर नाराज था। वह नाना का बाजा बजाना चाहता था नाना समझ गया। वह नया बाजा लाया। दादा आया साग लाया। दादा बाजा बजा। आप अपना काम कर। छत पर जा। सकबा काम कर। सबका कहना मान।

नोट:-उपरोक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएं जब तक आ की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो जाए।

4. इ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

f में इ की मात्रा (ि) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के छोटी मात्रा लगाने के लिए किया जाता है।
जैसे- ि + द + न = दिन

अभ्यास कार्य

दिन बिन सिन तिल लिख सिख गति सति शिव मिव बलि गिन जिस बिटिया तकिया डिबया विमान
चिड़िया सितार टिकिया शिकार रिमझिम मिनट झिलमिल बछिया किशमिश निकट किताब बिरबिट
गिरगिट किला जिला दिला किनारा रविवार रिमझिम धनिया मनिया गिनकर बनियान बनिया विमला
शिमला परिवार सिलसिला चिमटा तकिया।

दिन निकल आया। अंकित साइकिल लाया। बाजार से साइकिल पर आया। विकास गिलास लाया।
जल पिया फिर वह चल दिया। किसन बछिया साथ लाए। किसन फिर आया।

नोट:-उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक इ की मात्रा आप के दिमाग में पूरी तरह से सैट
ना हो जाए।

5. ई की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

h में ई की मात्रा (ी) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के बड़ी मात्रा लगाने के लिए किया जाता है।
जैसे- पा + न + ी = पानी

अभ्यास कार्य

पानी सीसा जीभ जीव नानी चाबी हाथी सिटी दही माली सीढ़ी गली हीरा चीनी चली मामी दिल्ली तीली
नीली पीली काकी दादी मामी भाभी खीर खीरा काली नगरी गगरी लड़की रसीली शीतल दीवार बकरी
तितली लालची लड़की असली तकलीफ पसीना जमीन मशीन नकली बीमारी बिजली लालची भिकारी
दीपावली दीवार खिलाड़ी पानी मछली बली गिलहरी दीपावली पिचकारी बासमती चावली चपरासी
लाभकारी राजधानी महारानी नमकीन।

हमारी बकरी हरी घास खाती है। नानी मीठी मीठी कहानी कहती है। मे बाजार से नाशपती लाया। गीता
मीठा मीठ गीत गा रहीं थी। गीता मीठाई खा रहीं थी। गीता रबड़ी खा।

नोट:-उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ जब तक कि ई की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो
जाये।

6. उ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

q में उ की मात्रा (ु) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के छोटे उ की मात्रा लगाने के लिए किया जाता
है। जैसे- क + उ + मार = कुमार

अभ्यास कार्य

पुल हुआ कुछ बुन छुप खुला धुन धुल बुन सुन चुन चुला मुला बुला सुला डुला पुना सुना मधुर साबुन मुनिया लुहार दुनिया कुसुम बुढ़िया सुनिया चुनिया मधुकर गुमसुम गुजरात फुटबाल चुपचाप सुनहरी बुलबुल झुनझुना छुरी सुई कुटी।

साधु अब उठ। सुबह सुहानी आई। मटकी उठा नदी पर जा। मुख हाथ साफ कर और दातुन कर तथा एक जामुन खा। जामुन खाकर स्कूल जा। साधु चल गीत सुना।

नोट: उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ जब तक कि उ की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो जाएं।

7. ऊ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

w में ऊ की मात्रा (ू) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के बड़े ऊ की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है। जैसे— ज + ू + ता = जूता

अभ्यास कार्य

मून जून सूल त्रिसूल भालू चालू फूल दूर बूढ़ा फूल खूब पूजा रूल बूरा सूरा टापू बापू घूप सूप भूख कालू सालू डालू चूड़ी जूता झूला। खजूर मन्जूर तराजू दूसरे कूलर सूरज बबूल बबलू कपूर छूटना। मजदूर शहतूत अमरुद पतलून फूलदान चबूतरा कबूतर सूरज धूल पूनम सूमन सबूत जरूर कूड़ादान जादूगर तरबूज ला ।

नोट: उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक कि ऊ की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो जाए।

8. ए की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

s में ए की मात्रा (` ) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के छोटी ए की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है। जैसे— म + ` + रा = मेरा

अभ्यास कार्य

मेरा बेटा खेल। चेला देश में पेड़ लगा। सहेली पेठा खा। सवेरा हो गया। केवल बेसन के मिठाई बना। सपेरा बीन बजा। रेशमा फेरना फेर। ठठेरा हाण्डी बना। मेहमान आ चुके साथ मे सहदेव भी आया। रेलगाड़ी में भेलपूरी बेच रहा था। लाईट गई लालटेन जला। सहदेव परदेश से जेवरात लाया। सेब केला बेर सबने खाया। कल सवेरे मेला लगेगा। सुरेस व महेश मेला देखने जायेगे। मेले में झूले झूलेगे व जलेबी खायेगे तथा सुरेश सरकस भी जायेगा।

नोट:—उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक कि ए की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो जाए।

9. ऐ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

S में ऐ की मात्रा (ॐ) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के बड़ी ऐ की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है। जैसे— प + ॐ + सा = पैसा

अभ्यास कार्य

नैनीताल बड़े क्षेत्र में फैला है। मैदा की मिठाई अच्छी है। मैल से तेरा रंग मटमैला है। खेती में अच्छी पैदावार है। सैनिक सैना में जा। मैना सुरैया भर कर ला। नैतिक आपकी नैतिक जिमेदारी है।

नोट:—उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक ऐ की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो जाए।

10. ओ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

k+s में ओ की मात्रा (ॐ) होती है जिसका प्रयोग वर्ण में ओ की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है। जैसे— स + ॐ + ना = सोना

अभ्यास कार्य

पतंग की डोर जाओ खींचो अपनी ओर। आओ तोप चलाये। शोर शोर में खाओ जोर। कोयल गीत सुनाती है। समोसा परोसा है आओ भोजन मे खाये। होटल में जोकर बोटल से करतब दिखा रहा था। दालमोठ अखरोट दोपहर मे खायेगें। मनोहर खरगोस के लिये एक लोटा पानी ला साथ में गोलू मोलू को भी पानी पीला। गोलू मोलू मेरे तोते का नाम है।

नोट:—उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराए जब तक ओ की मात्रा आप के दिमाग में सैट ना हो जाए।

11. औ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

k+S में ओ की मात्रा (ॐ) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के ओ की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है। जैसे— ल + ॐ + की = लौकी

अभ्यास कार्य

कोमल मेरी मौसी है। उसके नौकर चौकीदारी करता है। मौसी दिन भर मौन रहती है। मौसी को कचौड़ी बहुत पसंद हैं वह औरत बहुत अच्छी है। चौड़ी सड़क पर गाड़ी सरपट दौड़ रही थी। बिजनौर से सिरमौर सौदागर आया। जौनपुर में घुड़दौड़ हो रही थी। करौली में खिलौने अच्छे मिलते हैं। सौरभ गौरव का भाई है तथा उसने आईपील मे सानदार चौके लगाए। फौजदार जौहरी चौराहे से चौदह रुपये की पकौड़ी लाए।

नोट:-उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक कि औ की मात्रा आप के हाथों में सैट ना हो जाये।

11. अं की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

अ में अं की मात्रा (ँ) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के अं की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है।
जैसे— ग + ँ + गा = गंगा

अभ्यास कार्य

संग संग रंग खेलेंगे और पंगा करेंगे पर मंगल में दंगल मत करना। चुकंदर बंदूक से खेल रहा था। नंदन को अच्छी सुगंध आई। आज मंगलवार का दिन है संमंदर में मत जा। आज गंगा पर जायेंगे तथा गंगाजल पियेंगे। शिमला बहुत ठंडा है। दमयंती घंटाघर पर वंशीधर के साथ रहती है। चंचल शतरंज मत खेल।

नोट:-उक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ जब तक कि अं की मात्रा आप के हाथों में सैट ना हो जाये।

12. ऋ की मात्रा के शब्दों के अभ्यास कार्य

ऋ में ऋ की मात्रा (ॠ) होती है जिसका प्रयोग वर्ण के ऋ की मात्रा लगाने के लिए किया जाता है।
जैसे— ग + ॠ + ह = गृह

अभ्यास कार्य

मातृ मृग गृह वृषभ मृतक तृण कृपाण दृढ़ता गृहिणी।

नोट:-उपरोक्त अभ्यास कार्य को तब तक दोहराएँ, जब तक अं की मात्रा याद ना हो जाए।

अभ्यास कार्य-1

Informatics Assistant (IA) Examination Typing Paper (Hindi) 2013

SN.	Hindi Sentence Typing	Word
1	जब बचपन में पूछा जाता था कि बड़े होकर क्या बनना है? तो समझ में नहीं	16
2	आता था लेकिन अब जब कुछ बन गए हैं तो फिर से बचपन के दिनों में	16
3	दुबारा जाने का मन करता है। जीवन में वहीं व्यक्ति सफल होता है जो खुद का	16
4	समय समय पर आंकलन करता रहता है। इस घाटे को पूरा करने के लिए	14
5	सरकार को ऋण लेना पड़ रहा है। ऋण के भार के कारण दुनियाँ में अमेरिका	15
6	की रेटिंग घट रही है। चीजों को सुचारु रूप से चलाने के लिए जरूरी है कि	16
7	इसमें शामिल अलग अलग पक्षों का संवाद ठीक बना रहे। इसे प्रभावी बनाने के	14
8	लिए आपको अपने शब्दों के चयन से लेकर शरीर के हावभाव पर खास गौर	14
9	करना होगा। बच्चों की तरक्की में उनके माता पिता और गुरुओं का बहुत	13
10	योगदान है। छात्र छात्राओं को हमेशा इस बात का अहसास होना चाहिए कि	13
11	उनके माता पिता ने कितने त्याग किए। लोग यह सोचते हैं कि उन्हें सब कुछ	15
12	आता है और उन्हें कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। यह विचार गलत है।	16
13	याद रखिये रोज कुछ ना कुछ सीखने वाला व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ता है।	14
14	किसी बड़े मकसद के लिए नई सोच का होना बेहद जरूरी है। दूसरे हमें शांत	15
15	मान रहे होते हैं लेकिन भीतर हम खूब परेशान रहते हैं। भ्रम और भय का जाल	16
16	हमारे भीतर उत्पन्न हो जाता है और हम उसी में उलझ जाते हैं। विश्वास की	15
17	परत के लिये गम्भीर समझ से भरा एक अवसर काफी होता है। किन्तु बार बार	15
18	इसे करने पर स्वयं के विश्वास पर संकट खड़ा हो जाता है। बुद्धि तीन प्रकार	15

19	की होती है। एक साधारण बुद्धि होती है, दूसरी कुबुद्धि और तीसरी सुबुद्धि। इसे	18
20	सात्विक बुद्धि भी कहा गया है जो लगातार रूप से योग द्वारा तैयार होती है।	15
21	हमारे विचार और संकल्प अहम् के आधार पर क्यों होते हैं? इस क्यों का जवाब	15
22	हम स्वयं देने की कोशिश करेंगे तो जीवन में बड़े स्तर पर बदलाव अपने आप	16
23	आता है। किसी भी बड़े मकसद के लिये नई सोच का होना जरूरी है। आज	15
24	सबसे अहम् जरूरत ज्यादा उम्र के लोगों को समझ कर उनके प्रति उदार सोच	15
25	अपनाने की है ताकि वे मन और भावना से खुद को समाज और परिवार से	15
26	अलग थलग महसूस न करें। भगवान सूर्य की तरह तेज पूर्ण है। सीधे सूर्य	15
27	की किरणों से आँख मिलाना सम्भव नहीं होता है, किन्तु जब सूर्य की तेज किरण	13
28	चन्द्रमा के माध्यम से हम तक आती है तो वह शीतल हो जाती है। अमेरिका	6
29	सरकार का बजट घाटा पिछले दशक में बढ़ता जा रहा है। वे चार गुण है शांति	13
30	प्यार खुशी और आनंद। ज्ञान का फल है विवेक का जागना। अपने जीवन के	6
31	अलग अलग कार्यों का मंथन कर ज्ञान और बुद्धि का उपयोग विवेक के अनुसार करें।	13

अभ्यास कार्य-2

सूचना सहायक परिक्षा 2018 टाईपिंग पेपर

सोनजुही में आज एक पीली कली लगी है। इसे देखकर अनायास ही उस छोटे जीव का स्मरण हो आया, जो इस लता की सघन हरीतिमा में छिपकर बैठता था और फिर मेरे निकट पहुंचते ही कंधे पर कूदकर मुझे चौंका देता था। तब मुझे कली की खोज रहती थी, आज उस लघुप्राणी की खोज है। परंतु वह तो अब तक इस सोनजुही की जड़ में मिट्टी होकर मिल गया होगा। कौन जाने स्वर्णिम कली के बहाने मुझे चौंकाने उपर आ गया हो। अचानक एक दिन सवेरे कमरे से बरामदे में आकर मैंने देखा, दो कौवे एक गमले के चारों ओर चोंचों से छूआ छूआवल जैसा खेल खेल रहे हैं। यह काकभुशुंडि भी विचित्र पक्षी है एक साथ समादरित अनादरित, अति सम्मानित अति अवमानित। हमारे बेचारे पुरखे न गरुड के रूप में आ सकते हैं, न मयूर के न हंस के। उन्हें पितरपक्ष में हमसे कुछ पाने के लिए काक बनकार ही अवतीर्ण होना पड़ता है। इतना ही नहीं हमारे दूरस्थ प्रियजनों को भी अपने आने का मधु संदेश इनके कर्कश स्वर में ही देना पड़ता है। दूसरी ओर हम कौवा और कांव कांव करने को अवमानना के अर्थ में ही प्रयुक्त करते हैं।

मेरे काकपुराण के विवेचन में अचानक बाधा आ पड़ी, क्योंकि गमले और दीवार के बीच छिपे एक छोटे से जीव पर मेरी दृष्टि रुक गई। निकट जाकर देखा, गिलहरी का छोटा सा बच्चा है जो सम्भवतः घोंसले से गिर पड़ा है और अब कौवे जिसमें सुलभ आहार खोज रहे हैं। काकवृद्ध की चोंचों के दो घाव उस लघुप्राण के लिए बहुत थे। अतः निश्चेष्ट सा गमले से चिपटाक पड़ा था। सबने कहा, कौवे की चोंच का घाव लगने के बाद बच नहीं सकता, अतः इसे ऐसे ही रहने दिया जाए। परंतु मन नहीं माना उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लाई, फिर रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया। रूई की पतली बत्ती दूध से भिगोकर जैसे जैसे उसके नन्हे से मुंह में लगाई पर मुंह खुल न सका और दूध की बूंदें दोनों ओर दुलक गई। कई घंटों के उपचार के उपरांत उसके मुंह में एक बूंद पानी टपकाया जा सका। तीसरे दिन वह इतना अच्छा और आश्वस्त हो गया कि मेरी उंगली अपने दो नन्हें पंजों से पकड़कर, नीले कांच के मोतियों जैसी आंखों से इधर उधर देखने लगा। तीन चार मास में उसके स्निग्ध रोएं, झब्बेदार पूंछ और चंचल चमकीली आंखें सबको विस्मित करने लगीं। हमने उसकी जातिवाचक संज्ञा को व्यक्तिवाचक का रूप दे दिया और इस प्रकार हम उसे गिल्लू कहकर बुलाने लगे। मैंने फूल रखने की एक हलकी डलिया में रूई बिछाकर उसे तार से खिड़की पर लटका दिया। वहीं दो वर्ष गिल्लू का घर रहा। वह स्वयं हिलाकर अपने घर में झुलता और अपनी कांच के मनको सी आंखों से कमरे के भीतर और खिड़की से बाहर न जाने क्या देखता समझता रहता था। परंतु उसकी समझदारी और कार्यकलाप पर सबको आश्चर्य होता था। जब मैं लिखने बैठती तब अपनी ओर मेरा ध्यान आकर्षित करने की उसे इतनी तीव्र इच्छा होती थी कि उसने एक अच्छा उपाय खोज निकाला। वह मेरे पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरना। उसका यह दौड़ने का प्रयास तब तक चलता जब तक में उसे पकड़ने के लिए न उठती। कभी मैं गिल्लू को पकड़कर एक बंबे लिफाफे में इस प्रकार रख देती कि उसके अगले दो पंजों और सिर के अतिरिक्त सारा लघुगात लिफाफे के भीतर बंद रहता। इस अद्भुत स्थिति में कभी कभी घंटों मेज पर दीवार के सहारे खड़ा रहकर वह अपनी चमकीली आंखों से मेरा कार्यकलाप देखा करता है।

भूख लगने पर चिक चिक करके मानो वह मुझे सूचना देता और काजू या बिस्कूट मिल जाने पर उसी स्थिति में लिफाफे से बाहर वाले पंजों से पकड़कर उसे कुतरता। फिर गिल्लू के जीवन का प्रथम बसंत आया। नीम चमेली की गंध मेरे कमरे में हौले हौले आने लगी। बाहर की गिलहरियां खिडकी की जाली के पास आकार चिक चिक करके न जाने क्या कहने लगी? गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झांकते देखकर मुझे लगा कि इसे मुक्त करना आवश्यक हैं। मैंने कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और इस मार्ग से गिल्लू ने बाहर जाने पर सचमुच ही मुक्ति की सांस ली। इतने छोटे जीव को घर में पले कुत्ते, बिल्लियों से बचाना भी एक समस्या ही थी।

अभ्यास कार्य-3

सूचना सहायक परीक्षा 2018 टाईपिंग पेपर-2

सन 1908 ईसवी की बात है कि आखीर या जनवरी का प्रारंभ होगा। चिल्ला जाड़ा पड़ रहा था। दो चार दिन कुछ बुंदा-बांदी हो गई थी। इस लिय शीत का कहर ओर भी बढ़ गया था। सुबह के तीन या चार बजे होंगे। कई साथियों के साथ में केर के बेर तोड़ कर खा रहा था कि गांव के पास से एक आदमी ने जोर से पुकारा कि तुम्हारे भाई बुला रहे हैं। जल्द ही घर लौट जाओ। मैं घर की तरफ चलने लगा। साथ ही छोटा भाई भी था। भाई साहब की मार का डर था। मैं सहमा हुआ चला जाता था। समझ मैं नहीं आता था कि कौन सा कसूर बन पड़ा। डरते डरते घर में घुसा। आशंका थी कि बेर खाने के अपराध में ही तो पेशी न हो। पर आंगन में भई साहब को पत्र लिखते पाया। अब पिटने का भय दूर हुआ। हमें बड़े भाई साहब ने कहा इन पत्रों को डाक खाने में डाल आओ। तेजी से जाना, जिससे शाम की डाक में निकल जाएं। ये बड़े जरूरी है। जाड़े के दिन थे साथ ही तेज हवा के प्रकोप से कॅप कॅपी लग रही थी। हवा तेज थी इस लिए हमने कानों को धोती से बांधा। मां ने मेरे लिए भी भूने हुऐ चने धोती के बांध दिए। हम दोनों भाई अपना अपना डंडा लेकर घर से निकल पड़े। उस समय उस बबूल के डंडे से जितना मोह था उतना इस उमर रायफल से नहीं। मेरा डंडा अनेक सांपों के लिए नारायण वाहन हो चुका था। गांव के स्कूल और गांव के बीच पडने वाले आम के पेड़ों से उस समय आम चुराये जाते थे। इस कारण वह मूक डंडा सजीव सा प्रतीत होता था।

हम दोनों गांव की ओर तेजी से बढ़ने लगे। कलम को मैंने टोपी में रख लिया, क्योंकि कलम मेरे जेब में नहीं थी। हम दोनों अब कूदते, एक ही सांस में गांव से चार किमी दूर उस कुँ के पास आ गए जिसके पास एक अत्यधिक काला साँप पड़ा हुआ था। कुँ कच्चा था, और चार हाथ गहरा उसमें पानी ना था। उसमे न जाने साँप कैसे गिर गया कारण कुछ भी हो, हमारा उसके प्रति सदभाव था, और उसे बचा लिया। हमारा उसके गांव में होने का ज्ञान केवल दो महीने का था। बच्चे नादान होते हैं। गांव पढने जाने वाली हमारी टोली पूरी बनाकर एक दिन हम लोग स्कूल से लौट रहे थे कि हमारे मन में एक विचार आया। सबसे पहले विचार वाला मैं ही था। कुँ में झाँककर एक ढेला फेंका कि उसकी आवाज कैसी होती है। उसके सुनने के बाद अपनी बोली कि ध्वनि सुनने की इच्छा होती है पर ज्योंही ढेला गिरा त्योंही एक आवाज सुनाई पड़ी। कुँ के किनारे खड़े हुए हम सब बालक पहले तो उस कुँ से ऐसे चकित हो गए जैसे कि कुँ हमारी बात को दोहरा रहा हो। कुँ की आवाज से सब चकित हो गए। उसके बाद सभी ने उछल उछल कर एक एक ढेला फेंका और कुँ से आने वाली आवाज का आनंद उठाया। गांव से जाते और लौटते समय प्रतिदिन ही ढेले डाले जाते थे। मैं तो आगे आ जाता था।

अभ्यास कार्य-4

प्रिय विद्यार्थियों आज कम्प्यूटर के उपयोग के बारे में ज्यादा सोचने की शायद ही आवश्यकता होगी, क्योंकि आज शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र होगा जिसमें कम्प्यूटर या इससे सम्बंधित मशीन का प्रयोग नहीं किया जाता। इसलिए विस्तार से वर्णन करने की बजाय कम्प्यूटर के उपयोग की संक्षिप्त चर्चा की जाए तो बेहतर होगा। यदि हम चिकित्सा में कम्प्यूटर का उपयोग देखे तो जन्म के पहले से लेकर मृत्यु के बाद तक की सभी जाँचों में इसका प्रयोग किया जाता है। शिक्षा से सम्बंधित सभी कार्य कम्प्यूटर के द्वारा किए जाने लगे हैं। व्यापार की बात करें तो लेन-देन से सम्बंधित सभी कार्य कम्प्यूटर के द्वारा ही किए जाने लगे हैं। दैनिक जीवन में भी देखते हैं कि मनोरंजन तथा ई-मेल इसके मुख्य विषय हैं। ज्योतिष में भी कम्प्यूटर के द्वारा कुण्डली तैयार की जाती हैं तथा खगोल शास्त्र की चर्चा करें तो मौसम सम्बंधित पूर्व अनुमान, सूर्य व चन्द्रमा की गतिविधियों का पता लगाना तथा भूकम्प से सम्बंधित पूर्व अनुमान लगाने में कम्प्यूटर का प्रयोग किया जा रहा है।

प्रिय विद्यार्थियों किसी भी क्षेत्र या वस्तु के यदि एक ही पहलू को देखें तो उसका विकास रुक जाता है। कम्प्यूटर से आज समाज को लाभ हुआ है तो इससे कुछ हानियाँ भी हुई हैं जैसे बेरोजगारी बढ़ी है, विद्युत खर्च बढ़ा है। इनके अलावा हम कम्प्यूटर पर इतने अधिक निर्भर हो गए हैं कि इस से सम्बंधित कोई भी कार्य हाथ से नहीं करना चाहते। हम भूल गए हैं कि यह एक मशीन है जो कभी भी अपना कार्य करना बन्द कर सकती है जिससे अपनी महत्वपूर्ण सूचनाएं गायब हो सकती हैं।

नोट— उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 15 लाईन, 2 पैराग्राफ, 262 शब्द तथा 1338 की स्ट्रोक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दिन में दो बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-5

इन्टरनेट विश्व में फैले हुए, सभी के द्वारा प्रयोग किए जाने वाले, आपस में जुड़े हुए नेटवर्कों का समूह है जो इन्टरनेट प्रोटोकॉल का प्रयोग करते हुए डाटा को पैकेट स्विचिंग के द्वारा स्थानान्तरित हैं। इन्टरनेट का प्रयोग करते हुए व्यक्ति विश्व में कहीं भी दूसरे व्यक्तियों के साथ सूचना का आदान प्रदान कर सकता है। विश्व में फैले हुए संस्थान आपस में सूचना को अक्सेस कर सकते हैं। नेटवर्कों के नेटवर्क को इन्टरनेट कहा जाता है। जो कि आपस में सूचना शेयरिंग के लिए किसी न किसी कम्यूनिकेशन माध्यम से आपस में जुड़े हैं। इन्टरनेट वर्ल्ड वाइड वेब जैसी सुविधा को प्रयोग करता है। वेब एक दूसरे से सम्बंधित प्रोग्राम दस्तावेज व रिसोर्सज का संग्रह है जो हाईपरलिंक अथवा वेब एड्रेस के द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं।

वर्ल्ड वाइड वेब इन्टरनेट के द्वारा एक्सेस की जाने वाली एक सर्विस है जो हमें दस्तावेज एक्सेस करने या ई-मेल आदि के द्वारा सूचना आदान-प्रदान करने की सुविधा देती है। विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से एक व्यक्ति विश्व में बैठे हुए किसी भी व्यक्ति को देख सकता है तथा उससे बात कर सकता है।

व्यक्ति घर में बैठा हुआ विश्व के किसी भी मार्केट के शॉपिंग कर सकता है। ई कॉमर्स का प्रयोग करते हुए अपना व्यापार कर सकता है। इन्टरनेट से जुड़े हुए किसी भी कम्प्यूटर में रखी सूचना व सॉफ्टवेयर एक्सेस कर सकता है। ये सभी कार्य इन्टरनेट के द्वारा ही सम्भव हुए हैं। इन्टरनेट ने आज विश्व को एक समाज से छोटा बना दिया है।

नोट- उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 14 लाईन, 2 पैराग्राफ, 246 शब्द तथा 1260 की स्ट्रोक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दिन में एक बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-6

प्रिय विद्यार्थियों आज जिस प्रकार कम्प्यूटर का उपयोग बढ़ता जा रहा है एवं कम्प्यूटर प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, उसी प्रकार शायद ही आज इन्टरनेट के उपयोग के बारे में सोचने की आवश्यकता होगी। आज बड़े-बड़े संस्थानों से लेकर छोटी-छोटी दुकानों तक में इन्टरनेट का उपयोग मिला जाता है। आज इन्टरनेट मानव जीवन के प्रत्येक पहलु को छूने लगा है। आज क्रिकेट का मैच देखना हो या किसी को संदेश भेजना हो किसी से सस्ती दर पर देश-विदेश में बात करनी हो, कॉन्फ्रेंस करनी हो, विश्व बाजार से शॉपिंग करनी हो, मेडिकल साईंस आदि सभी में इन्टरनेट का उपयोग हो रहा है। तो आओ जानें इन्टरनेट की ऐसी कौनसी सुविधाएं हैं जिनका उपयोग सर्वाधिक हो रहा है।

नोट- उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 7 लाईन, 1 पैराग्राफ, 119 शब्द तथा 640 की स्ट्रोक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दिन में एक बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-7

इश्क एक इबादत है तो ताजमहल उस इबादत की जानदार तस्वीर है। मोहब्बत की इस अजिमोशान ईमारत को देखकर लोग आज भी प्यार पर भरोसा करते हैं। क्योंकि इस प्यार में समर्पण, त्याग, खुशी और वो सब कुछ है जो इश्क को मुकम्मल जहाँ देता है। दुनियाँ का यह पहला अजुबा है जो प्यार की मिसाल माना जाता है तथा भारत का इसे गर्व कहा जाता है। इसे शाहजहाँ द्वारा अपनी बेगम मुमताज की याद में बनवाया गया था। यह सफेद सगमरमर से बना है तथा यमुना नदी के किनारे पर स्थित यह ईमारत एक विस्मरणीय स्थल है। इसे दुनियाँ का हर एक इंसान आज ताजमहल देखना चाहता है क्योंकि इसे मोहब्बत का मंदिर कहा जाता है। 1631 शाहजहाँ ने अपनी सभी बेगम में से सबसे प्रिय बेगम मुमताज की याद में बनवाया था। उनकी सबसे प्रिय बेगम मुमताज महल थी। लेकिन पर्शियन बेगम मुमताज महल की मृत्यु अपने चौदहवें बच्चे को जन्म देते समय हो गयी, उनके चौदहवें बच्चे का नाम गौहर बेगम था।

ताजमहल का निर्माण कार्य 1632 में शुरू हुआ था। शाहजहाँ चाहते थे कि दुनियाँ मुमताज और उनकी प्रेम कहानी को हमेशा याद रखे, इसीलिए उनकी याद में वे कुछ इतिहासिक धरोहर बनाना चाहते थे। जिसमें ताजमहल का निर्माण हुआ। ताजमहल का निर्माण लगभग 1643 में पूरा हो गया था। लेकिन फिर भी उसकी सुंदरता को बढ़ाने के लिए 10 सालों तक काम किया गया। ताजमहल का निर्माण लगभग 1653 में पूरा हो गया था। उसे बनाने में लगभग 35 मिलियन रूपयों का खर्च आया था और ताजमहल को बनाने में लगभग 24000 कारीगरों ने कार्य किया था। उस्ताद अहमद लाहौरी को इसका प्रधान निर्माता माना जाता है।

ऐसा कहा जाता है जिन कारीगरों ने ताजमहल का निर्माण किया था, शाहजहाँ ने निर्माण पूर्ण होने के बाद उन कारीगरों के हाथ कटवा दिये थे। इस प्रकार के कई दावे ताजमहल को लेकर इतिहास में किए जाते हैं। इस ईमारत का निर्माण सदा से प्रशंसा एवं गर्व का विषय रहेगा। इसने धर्म, संस्कृति एवं भूगोल की सीमाओं को पार करके लोगों के दिलों से भावनात्मक प्रतिक्रिया कराई है। आज भी लोग ताजमहल को शाहजहाँ और मुमताज के मोहब्बत की निशानी मानते हैं। आज विश्व के सबसे सुन्दर भवनों में से एक ताजमहल है।

नोट- उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 23 लाईन, 3 पैराग्राफ, 365 शब्द तथा 1869 की स्ट्रोक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दो दिन में एक बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-8

हवामहल का मतलब है कि हवाओं की एक जगह। यह एक ऐसी जगह है, जो पूरी तरह हवा से ढँकी रहती है। हवामहल को 1799 में महाराज सवाई प्रताप सिंह ने बनवाया था। यह एक पांच मंजिला इमारत है जिसको अनोखे ढंग से बनाया गया है। हवामहल सर के ताज के आकार में बना हुआ है। श्री कृष्ण के सर के ताज की तरह प्रतीत होता है। कहा जाता है कि सवाई प्रताप सिंह भगवान श्री कृष्ण के प्रति अत्यंत श्रद्धा भक्ति भाव रखते थे, जिसकी वजह से उन्होंने इस महल को उनके ताज का आकर दिया। यह उपर से तो केवल डेढ़ फुट चौड़ी है और बाहर से देखने में किसी मधुमक्खी के छते के समान दिखती है। इस हवामहल में 953 छोटी खिड़कियाँ हैं जिससे ठंडी और ताजी हवा आती रहती है। जिसके कारण यह स्थान ठंडा रहता है।

हवा महल को डिजाइन करने का श्रेय लालचंद उस्ताद को जाता है जिन्होंने खास शाही महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखकर महल डिजाइन किया। ये ऐसा एकमात्र महल है जो मुगल और राजपूताना स्टाइल में बना हुआ है। हवामहल विशेष तौर पर राजपूत परिवार की महिलाओं के लिए अलग से बनवाया गया था। जिसकी खिड़कियों से वे बिना किसी रोक टोक के शहर की जिन्दगी को देख सकती थीं।

नोट- उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 13 लाईन, 2 पैराग्राफ, 211 शब्द तथा 1024 की स्ट्रोक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दो दिन में एक बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-9

रघु कुल में बहुत ही प्रतापी राजाओं ने जन्म लिया, राजा सागर उनमें से एक थे। उस समय राजा महाराजा अपना साम्राज्य बढ़ाने के लिए अश्वमेध यज्ञ किया करते थे। इसमें एक घोड़ा छोड़ा जाता था और वो घोड़ा जिस राज्य से होकर गुजर गया वो राज्य अश्वमेध यज्ञ करने वाले राजा का हो जाता था और किसी ने बीच में वो घोड़ा पकड़ लिया और उसे अश्वमेध यज्ञ करने वाले राजा से युद्ध करना होता था।

एक बार राजा सागर ने विशाल अश्वमेध यज्ञ किया और अश्वमेध का घोड़ा छोड़ दिया। राजा इंद्र को भय था कि कहीं अश्वमेध का घोड़ा अगर स्वर्ग में आ गया तो स्वर्ग पर राजा सागर का अधिकार हो जायेगा और राजा सागर से लड़ाई करना सम्भव नहीं था। यही सोचकर इंद्र ने भेष बदल कर घोड़ा पकड़ लिया और उसे चुपचाप कपिल मुनि के आश्रम में बांध दिया। कपिल मुनि उस समय ध्यान मुद्रा में थे। जब राजा सागर को पता चला कि उनका अश्वमेध का घोड़ा किसी ने रोक लिया है तो उन्होंने गुस्से में अपने साठ हजार पुत्रों को भेजा कि किसने घोड़ा पकड़ा है।

काफी समय ढूँढने के बाद राजा सागर के पुत्रों ने कपिल मुनि के आश्रम में घोड़ा देख लिया और वो युद्ध करने के लिए आश्रम में घुस गए। आश्रम में हलचल सुनकर कपिल मुनि की आँखें खुली तो राजा सागर के पुत्र उनपर घोड़ा रोकने का झुठा इल्जाम लगाने लगे। इससे क्रोधित होकर कपिल मुनि ने अग्नि से राजा सागर के सारे पुत्रों को भस्म कर दिया। अब वो सारे साठ हजार पुत्र प्रेत योनि में भटकने लगे। उनकी आत्मा को शांति नहीं मिल पा रही थी।

कई पीढ़ियों के बाद रघुकुल में राजा भागीरथ का जन्म हुआ। उन्होंने प्रतिज्ञा की कि वह अपने पूर्वजों की आत्मा को शांति दिलाएंगे और यह तभी संभव था जब पूर्वजों की अस्थियों को गंगा के पानी से शुद्ध किया जाए। राजा भागीरथ ने भगवान विष्णु की बहुत तपस्या की तथा कई सालों की तपस्या के बाद भगवान विष्णु ने राजा भागीरथ को दर्शन दिए तब भागीरथ ने स्वर्ग में रहने वाली गंगा को धरती पर लाने की प्रार्थना की। गंगा बड़े ही उग्र स्वभाव की थीं, वो बड़ी मुश्किल से धरती पर आने को राजी हुई। लेकिन एक समस्या थी कि गंगा का वेग इतना ज्यादा था कि अगर गंगा अपने वेग से स्वर्ग से धरती पर उतर आए तो धरती पाताल में समा जाती और चारों तरफ तूफान आ जाता।

तब भगवान विष्णु ने शिव जी से प्रार्थना की कि वह गंगा को अपनी जटा में बांधकर उसे अपने वश में करें अन्यथा धरती का विनाश हो जायेगा, फिर जब गंगा अपने प्रचण्ड वेग से धरती पर उतरी तो भयंकर गर्जना हुई तथा मेघ फट गए, चारों तरफ तूफान जैसा छा गया। तब भगवान शिव ने गंगा को अपनी जटा में बांधा और अपनी जटा से एक पतली धार के रूप में गंगा को धरती पर जाने दिया। इस तरह गंगा धरती पर अवतरित हुई और इसी कारण से उन्हें भागीरथी कहा जाता है।

नोट— उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 31 लाईन, 5 पैराग्राफ, 496 शब्द तथा 2419 की स्ट्रोक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दो दिन में एक बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-10

पद्मावती ने अपना जीवन अपने पिता गंधर्वसेन और माता चम्पावती के साथ सिंहाला में व्यतीत किया था। पद्मावती के पास एक बोलने वाला तोता हिरामणि भी था। उनके पिता ने पद्मावती के विवाह के लिये स्वयंवर भी आयोजित किया था जिसमें आस पास के सभी हिन्दू-राजपूत राजाओं को आमंत्रित किया गया था। एक छोटे से राज्य के राजा मलखान सिंह भी उनसे विवाह करने के लिये आये थे। चित्तौड़ के राजा रावल रतन सिंह रानी नागमती के होते हुए भी स्वयंवर में आये थे और उन्होंने मलखान सिंह को पराजित कर पद्मावती से विवाह कर लिया। राजा रावल रतन सिंह स्वयंवर के विजेता थे। स्वयंवर के बाद वे अपनी सुंदर रानी पद्मावती के साथ चित्तौड़ लौट आये।

13 वीं और 14 वीं शताब्दी में दिल्ली सल्तनत के आक्रमणकारियों की ताकत धीरे धीरे बढ़ रही थी। इसके चलते सुल्तान ने दौबारा मेवाड़ पर आक्रमण कर दिया। इसके बाद अलाउद्दीन खिलजी ने सुंदर रानी पद्मावती को पाने के इरादे से चित्तौड़ पर आक्रमण कर दिया। 8 माह के युद्ध के बाद भी अलाउद्दीन खिलजी चित्तौड़ पर विजय प्राप्त नहीं कर सका तो वो लौट गया और दूसरी बार आक्रमण करके उसने छल से राजा रतनसेन को बंदी बनाया और उसे लौटाने की शर्त के रूप में पद्मावती को मांगा। तब पद्मावती की और से भी छल का सहारा लिया गया और गोरा-बादल की सहायता से अनेक वीरों के साथ वेश बदलकर पालकियों में पद्मावती की सखियों के रूप में जाकर राजा नतनसेन को मुक्त कराया गया। परंतु इस छल का पता चलते ही अलाउद्दीन खिलजी ने प्रबल आक्रमण किया, जिसमें दिल्ली गये सभी राजपूत योद्धा मारे गये। राजा रतनसेन चित्तौड़ लौटा।

नोट- उपर्युक्त अभ्यास कार्य में 18 लाईन, 2 पैराग्राफ, 269 शब्द तथा 1404 की स्ट्रॉक है। इसमें सभी प्रकार की कीज का प्रयोग किया गया है तथा आप इसे कम से कम दो दिन में एक बार अवश्य टाईप करें।

अभ्यास कार्य-11

अकबर व बीरबल

एक बार ईरान के राजा ने पिंजरे में एक शेर भेजा और कहा कि अगर इसे कोई बिना पिंजरा खोले बाहर निकाल देगा तो मान जायेगा की आपके दरबार में नवरत्नों की होड संसार में नहीं हो सकती। अकबर ने सभी दरबारियों से शेर को बिना पिंजरा खोले बाहर निकालने को कहा पर सभी असफल रहें अंत में बीरबल को बुलाया गया। बीरबल ने एक गर्म सलाख ली और उससे शेर को दागने लगा। कुछ ही देर में मोम का शेर पिघल गया और अकबर, बीरबल की बुद्धिमता देखकर बहुत खुश हुआ। बीरबल के कारण ईरान के राजा के सामने अकबर की ईज्जत रह गयी।

अकबर व बीरबल

बीरबल फारस देश के राजा के निमंत्रण पर था। उनके सम्मान दावत का आयोजन किया गया था और अनेक उपहार दिए गए थे। घर जाने की पूर्व संध्या पर, एक अमीर ने पूछा कि वह कैसे अपने राजा की फारस के राजा से तुलना करेगा। बीरबल ने कहा, आपका राजा पूर्णिमा के चाँद जैसा है। हालांकि, मेरा राजा चौथ के चंद्रमा के समान है। फारसी बहुत खुश थे लेकिन जब बीरबल घर गए तो उन्होंने पाया कि सम्राट अकबर बहुत गुस्से में था।

अकबर ने गुस्से में कहा तुम अपने खुद के राजा को कैसे कमजोर बता सकते हो। तुम एक गद्दार हो। बीरबल ने कहा नहीं, महामहिम, मैंने आपको कमजोर नहीं किया है। पूर्णिमा का चाँद कम हो जाता है और गायब हो जाता है। जबकि चौथ का चाँद में शक्ति बढ़ती है। मैं वास्तव में दुनियाँ को बताता हूँ कि आपकी शक्ति बढ़ रही है दिन प्रतिदिन, जबकि फारस के राजा का पतन होने वाला है। अकबर ने संतोष व्यक्त किया और बीरबल का गर्मजोशी से स्वागत किया।

विचार

दोस्तों नेकलेस रूपी जिस खुशी की तलाश में हम बाहर भटकते रहते हैं, वह बाहर की बजाय हमारे अन्दर ही मिलती है, भौतिक साधन तो मात्र परछाई के समान छलावा है। हम बाहर की चीजों में खुशियाँ ढूँढते रहते हैं और उन चीजों से खुद को खुश रखना चाहते हैं किन्तु इन बाहरी चीजों से हमें क्षणिक भर खुशी तो मिल सकती है लेकिन असली खुशी हमें तब ही मिलती है जब हमारा अंतरमन खुश हो, इसलिए खुशियाँ पाने के लिए बाहरी चीजों के बजाय खुद के अन्दर झाँककर देखें।

अभ्यास कार्य-12

विक्रम और बैताल कहानी

धर्मपुर नाम की एक नगरी थी। उसमें एक धर्मशील नाम का राजा राज किया करता था उसके अन्ध कनाम का दीवान था। एक दिन दीवान ने कहा महाराज एक मन्दिर बनवाकर देवी को बिठाकर पूजा-अर्चना की जाए तो बड़ा पुण्य प्राप्त होगा। राजा ने ऐसा ही किया एक दिन देवी ने प्रसन्न होकर उससे वर मांगने को कहा। राजा के कोई सन्तान नहीं थी। उसने देवी से पुत्र प्राप्ति का वरदान मांगा। देवी ने कहा तथास्तु: तेरे बड़ा प्रतापी और साहसी पुत्र प्राप्त होगा।

उस वरदान से राजा के कुछ दिन बाद राजा के एक लड़का हुआ सारे नगर में बड़ी खुशियाँ मनाई गयी। एक दिन एक धोबी अपने मित्र के साथ उस नगर में आया। उसकी निगाह देवी के मन्दिर में पड़ी। उसने देवी को नमस्कार करने का निश्चय किया। उसी समय उसे एक धोबी की लड़की दिखाई दी, जो बड़ी सुन्दर थी। उसे देखकर वह इतना पागल हो गया कि उसने मन्दिर में जाकर देवी से प्रार्थना की, है देवी यह लड़की मुझे मिल जाये मैं अपना सिर तुझपर चढ़ा दूंगा। इसके बाद वह हर घड़ी बेचैन रहने लगा। उसके मित्र ने उसके पिता से सारा हाल सुनाया। अपने बेटे की यह हालत देखकर वह लड़की के पिता के पास गया और उसके अनुरोध करने पर दोनों का विवाह हो गया। विवाह के कुछ दिन बाद लड़की के पिता के यहां उत्सव हुआ। इसमें शामिल होने के लिय न्यौता आया। मित्र को साथ लेकर दोनों चले पड़े। रास्तों में उसी देवी का मन्दिर पड़ा तो लड़के को अपना वादा याद आ गया।

उसने मित्र और स्त्री को थोड़ी देर रुकने को कहा और स्वयं जाकर देवी को प्रणाम किया और जोर से तलवार मारी कि उसने अपना सर धड़ से अलग कर लिया। उधर बाहर खड़ी स्त्री हैरान हो गयी तो वह मन्दिर के भीतर गयी। देखकर चकित रह गयी। सोचने लगी कि दुनियाँ कहेगी यह बुरी औरत होगी इसलिए दोनों को मार आयी, इस बदनामी से मर जाना अच्छा है। यह सोच उसने तलवार उठाई और जैसे ही गर्दन पर मारनी चाही कि देवी ने प्रकट होकर उसका हाथ पकड़ लिया और कहा मैं तुम पर प्रसन्न हूँ। जो चाहो सो माँगो। स्त्री बोली, हे देवी इन दोनों को जिन्दा कर दो। देवी ने कहा अच्छा तुम दोनों के सिर मिलाकर रख दों। घबराहट में स्त्री ने सिर जोड़े तो गलती से एक का सिर दूसरे के धड़ पर लग गया। देवी ने दोनों को जिन्दा कर दिया। अब वे दोनों आपस में झगड़ने लगे। एक कहता था कि यह स्त्री मेरी है, दूसरा कहता मेरी। बेताल बोला, हे राजन! बताओं कि यह स्त्री किसकी हो? राजा ने कहा, नदियों में गंगा उत्तम है, पर्वतों में सुमेरु, वृक्षों में कल्पवृक्ष और अंगों में सिर। इसलिए शरीर पर पति का सिर लगा हो, वही पति होना चाहिए।

अभ्यास कार्य-13

तैनाली राम और सोने के सेव

समय के साथ-साथ राजा कृष्ण देव राय की माता बहुत वृद्ध हो गई थी। एक बार वे बहुत बीमार पड़ गई। उन्हें लगा कि अब वे शीघ्र ही मर जाएंगी। उन्हें सेव बहुत पसंद थे इसलिए जीवन के अंतिम दिनों में वे सेव दान करना चाहती थीं। तो उन्होंने राजा से ब्राह्मणों को सेवों को दान करने की इच्छा प्रकट की। वे समझती थीं कि इस प्रकार दान करने से उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होगी, इसलिय कुछ दिनों के बाद ही राजा की माता अपनी अंतिम इच्छा की पूर्ति किए बिना ही मृत्यु को प्राप्त हो गई। उनकी मृत्यु के बाद राजा ने सभी विद्वान ब्राह्मणों को बुलाया और अपनी मां की अंतिम अपूर्ण इच्छा के बारे में बताया।

कुछ देर तक चुप रहने के पश्चात् ब्राह्मण बोले, यह तो बहुत ही बुरा हुआ महाराज, अंतिम इच्छा के पूरा नहीं होने की दशा में तो उन्हें मुक्ति ही नहीं मिल सकती। वे प्रेत योनि में भटकती रहेंगी। महाराज आपको उनकी आत्मा की शांति का उपाय करना चाहिए।

तब महाराज ने उनसे अपनी माता की अंतिम इच्छा की पूर्ति का उपाय पूछा। ब्राह्मण बोले, उनकी आत्मा की शांति के लिए आपको उनकी पुण्यतिथि पर सोने के सेवों का दान करना चाहिए। अतः राजा ने मां की पुण्यतिथि पर कुछ ब्राह्मणों को भोजन के लिए बुलाया और प्रत्येक को सोने से बने सेव दान में दिए।

जब तैनालीराम को यह पता चला, तो वह तुरंत समझ गया कि ब्राह्मण लोग राजा के भोलेपन का लाभ उठा रहे हैं। तो उसने उन ब्राह्मणों को सबक सिखाने की एक योजना बनाई। कुछ दिन बाद ही तेनालीराम ने ब्राह्मणों को निमंत्रण-पत्र भेजा। उसमें लिखा था कि तेनालीराम भी अपनी माता की पुण्यतिथि पर दान करना चाहता है। क्योंकि वे भी अपनी एक अधूरी इच्छा लेकर मरी थीं। ब्राह्मणों ने सोचा कि तैनालीराम के घर से भी बहुत अधिक दान मिलेगा, क्योंकि वह भी शाही दरबार का विदूषक है।

सभी ब्राह्मण निश्चित दिन तेनालीराम के घर पहुँच गए। ब्राह्मणों को स्वादिष्ट भोजन परोसा गया। भोजन करने के पश्चात् सभी दान मिलने की प्रतीक्षा करने लगे। तभी उन्होंने देखा कि तेनालीराम लोहे के छड़ आग में गर्म कर रहा था। पूछने पर तेनालीराम बोला, मेरी मां पाव के दर्द से परेशान थीं। मृत्यु के समय उन्हें बहुत तेज दर्द हो रहा था। इससे पहले कि मैं गर्म छड़ों से उनकी सिंकाई करता, वह मर चुकी थी। अब उनकी आत्मा की शांति के लिए मुझे आपके साथ वैसा ही करना पड़ेगा, जैसी की उनकी अंतिम इच्छा थी। वे गुस्से में तेनालीराम से बोले कि हमें गर्म छड़ों से दागने पर तुम्हारी मां की आत्मा को शांति मिलेगी? नहीं महाशय मैं झुठ नहीं बोल रहा। यदि सोने के सेवों के दान से महाराज की मां की आत्मा को स्वर्ग में शांति मिल सकती है तो मैं अपनी मां की अंतिम इच्छा क्यों नहीं पूरी कर सकता? यह सुनते ही सभी ब्राह्मण समझ गए कि तेनालीराम क्या कहना चाहता है। वे बोले, तेनालीराम हमें क्षमा करें। हम वे सोने के सेव तुम्हें दे देते हैं। बस तुम हमें जाने दो। राजा भी तेनालीराम की बातों का अर्थ समझ गए। उन्होंने ब्राह्मणों को बुलाया और उन्हें भविष्य में लालच त्यागने को कहा।

अभ्यास कार्य-14

सत्याग्रह एक हिन्दी शब्द है, जिसका अर्थ यह है कि सत्य के लिए आग्रह करना। इसका सूत्रपात सर्वप्रथम महात्मा गाँधी ने 1894 ई. में दक्षिण अफ्रीका में किया था। सत्याग्रह से अभिप्राय यह है कि 'सत्य के प्रति समर्पण' या 'सत्य की शक्ति' हो सकता है। सत्याग्रह का अनुयायी सत्याग्रही अहिंसा का पालन करते हुए शान्ति व प्रेम का लक्ष्य सामने रखकर सत्य की खोज द्वारा किसी बुराई की वास्वविक प्रकृति को देखने की सही अंतः दृष्टि प्राप्त कर लेता है। इसका अभिप्राय सामाजिक एवं राजनीतिक अन्यायों को दूर करने के लिए सत्य और अहिंसा पर आधारित आत्मिक बल का प्रयोग था यह एक प्रकार का निष्क्रिय प्रतिरोध था, जो व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से कष्ट सहन कर विरोधी का हृदय परिवर्तन करने में सक्षम हो। दक्षिण अफ्रीका में इस आन्दोलन को अत्यधिक सफलता मिली।

नमक सत्याग्रह राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी द्वारा चलाये गये आन्दोलनों में से एक था गाँधीजी ने स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने के तुरंत बाद घोषणा की कि वे ब्रिटिश भारत के सर्वाधिक घृणित कानूनों में से एक, जिसने नमक के उत्पादन और विक्रय पर राज्य को एकाधिकार दे दिया है, को तोड़ने के लिए एक यात्रा का नेतृत्व करेंगे। महात्मा गाँधी ने 'नमक एकाधिकार के जिस मुद्दे का चयन किया था, वह गाँधी की कुशल समझदारी का एक अन्य उदाहरण था। प्रत्येक भारतीय घर में नमक का प्रयोग अपरिहार्य था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें घरेलू प्रयोग के लिए भी नमक बनाने से रोका गया और इस तरह उन्हें दुकानों से ऊँचे दाम पर नमक खरीदने के लिए बाध्य किया गया। नमक पर राज्य का एकाधिपत्य बहुत अलोकप्रिय था। इसी को निशाना बनाते हुए गाँधीजी अंग्रेजी शासन के खिलाफ व्यापक असंतोष को संघटित करने की सोच रहे थे। इस योजना में गाँधीजी को काफी सफलता भी मिली।

अभ्यास कार्य-15

प्रार्थना पत्र

बहन के विवाह हेतु 3 दिन की छुट्टी के लिए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य,
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,
जयपुर

विषय- बहन के विवाह हेतु 3 दिन की छुट्टी के लिए प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

सादर नम्र निवेदन है कि 15 जनवरी को मेरी बहन का विवाह है। इस हेतु मुझे 3 दिन के अवकाश की आवश्यकता है। मैं दिनांक 14.01.2019 से 16.01.2019 तक अवकाश चाहता हूँ, ताकि मैं अपनी बहन के विवाह के कामकाज में भी कुछ अपना हाथ बँटा सकूँ और विवाह के उत्सव का भी आनंद उठा सकूँ।

आपसे प्रार्थना है कि आप मुझे 3 दिन का अवकाश देने की कृपा करें तथा साथ ही आप भी मेरी बहन की शादी में अवश्य आइएगा। मुझे बड़ी प्रसन्नता होगी।

सधन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
भगवान सिंह
कक्ष -12 ख
रोल नम्बर-35
दिनांक-.....

अभ्यास कार्य-16

प्रार्थना पत्र

प्रधानाचार्य को फीस माफ करने के लिये प्रार्थना-पत्र

सेवामें,

श्रीमान प्रधानाचार्य,
राजकीय सीनियर सैकेंडरी विद्यालय,
जयपुर।

विषय— फीस माफ करने के लिये प्रार्थना पत्र।

महोदय

सविनय निवेदन है कि मैं इस विद्यालय में कक्षा 11 में विज्ञान विषय का विद्यार्थी हूँ। मैं गरीब परिवार का सदस्य हूँ। मेरे पिताजी खेती व मजदूरी का कार्य करते हैं। उनकी आय इतनी नहीं है कि वे मुझे पढ़ा सकें। हमारा परिवार बहुत बड़ा है। आजकल की मंहगाई एवं बढ़ती कीमतों के कारण घर चलाना बहुत कठिन हो रहा है।

श्रीमान जी मुझे पढ़ने में बहुत रुचि है। गत वर्ष कक्षा 10 में मैंने 75 प्रतिशत नम्बर प्राप्त किए थे तथा प्रत्येक वर्ष परीक्षाओं में मेरे अच्छे अंक आते रहे हैं। सभी अध्यापक मुझे पसंद करते हैं। मैंने फुटबॉल में 'सर्वोत्तम खिलाड़ी' की ट्रॉफी भी जीती है। मैं एक अच्छा धावक भी हूँ तथा क्रिकेट का भी अच्छा खिलाड़ी हूँ।

अतः मेरी योग्यता एवं आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुये मेरी आपसे सविनय प्रार्थना है कि मेरी पूरी फीस माफ कर दें। मैं आपको वचन देता हूँ कि मैं विद्यालय की प्रतिष्ठा को बढ़ाऊंगा। आपकी अति कृपा होगी। इसके लिए मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
भगवान सिंह
कक्ष -11 क
रोल नम्बर-30

दिनांक—.....

हिन्दी टाईपिंग (मंगल फॉण्ट)

दोस्तों अभी तक जो हमने टाईपिंग का अभ्यास किया है वो Kruti Dev 010 कीबोर्ड लेआउट के अनुसार थी। जो हिन्दी न होकर अनयुनीकोड टाईपिंग के अनुसार थी जो देखने में तो हिन्दी दिखाई दे रही थी पर उसको किसी अन्य इंग्लिश फॉण्ट में बदलने पर उसके कोड बदल जाते थे और हम उसको पढ़ नहीं पाते थे जैसे— आज मैं स्कूल गया था। यह कथन अनयुनीकोड टाईपिंग के अनुसार लिखा गया है।

vkt esa Ldqy x;k FkkA अब हमने इस कथन का फॉण्ट बदल दिया है और अब हम इसे पढ़ नहीं सकते की यह क्या लिखा गया है। इस कीबोर्ड का लेआउट Kruti Dev 010 था।

मंगल फॉण्ट (युनीकोड टाईपिंग)

दोस्तों अब हम यूनीकोड हिन्दी टाईपिंग की बात करते हैं जो प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रयोग की जाती है। इसके लिए हिन्दी में मंगल फॉण्ट का प्रयोग किया जाता है। मंगल फॉण्ट में टाईपिंग के लिए 9 अलग-अलग कीबोर्ड का प्रयोग किया जाता है लेकिन यहां हम केवल 3 कीबोर्ड का ही अध्ययन करेंगे।

1. Remington GAIL
2. Remington CBI
3. Hindi Incript

दोस्तों सभी सरकारी टाईपिंग परीक्षाओं (CPCT, CRPF, CISE, SSC) में रेमिंगटन गेल कीबोर्ड लेआउट का उपयोग किया जाता है। केवल रेमिंगटन सीबीआई कीबोर्ड का उपयोग एस. एस. सी. स्टेनोग्राफर जैसी प्रतियोगिक परीक्षाओं में किया जाता है। आप यदि इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो Remington CBI कीबोर्ड का ही उपयोग करें। बाकी सभी परीक्षाओं में Remington GAIL कीबोर्ड का ही उपयोग किया जाता है।

❖ रेमिंगटन गेल (Remington GAIL)

रेमिंगटन गेल कीबोर्ड का लेआउट निम्न प्रकार होगा।

Hindi Remington (GAIL)																
च	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	← Backspace					
0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0						
Tab	Q	W	E	R	T	Y	U	I	O	P	)					
→	Q	W	E	R	T	Y	U	I	O	P	)					
Caps Lock	A	S	D	F	G	H	J	K	L	;	← Enter					
Shift	Z	X	C	V	B	N	M	,	.	/	Shift					

इस कीबोर्ड लेआउट में टाईपिंग उसी प्रकार होती है जैसे KrutiDev 010 फॉण्ट में होती है। यदि कोई ऑपरेटर Kruti Dev फॉण्ट में टाईपिंग करता है वह इस फॉण्ट में भी आसानी से टाईपिंग कर सकता है। बस थोड़ा सा अभ्यास उसे अलग से करना होता है। इस कीबोर्ड पर टाईपिंग करते समय हिंदी ग्रांमर का ध्यान रखना पड़ता है जैसे— KrutiDev फॉण्ट में हम पहले 'ि' की मात्रा लगाते थे जबकि यहाँ हम पहले वर्ण टाईप करेंगे और बाद में छोटी इ की मात्रा लगायेंगे। जैसे—

हम यहाँ गति लिखना चाहते हैं तो पहले हमें यहाँ ग लिखेंगे तथा बाद में त लिखेंगे तथा बाद में इ की मात्रा लगायेंगे।

सामान्य कीर्ति :, पूर्ति, उर्फ, वर्ण और अन्य शब्द ई की तरह ही बनाए जाते हैं। यदि आप उर्फ लिखना चाहते हैं तो पहले उ बनाएं तथा स्पेस बार से आगे बढें एवं वापिस आकर फिर फ बनाएं क्योंकि उ के बाद सीधे ही फ नहीं बनता बल्कि ऊ बन जाता है। इसी प्रकार रफ्तार, रफ, उफ आदि शब्द लिखे जाते हैं। पूर्ति उर्फ सुर्ति कीर्ति आदि शब्द लिखाने के लिए पू + त + र् + ि पू लिखा जायगा

उपरोक्त शब्द एवं वर्ण के अलावा और भी कई वर्ण से मेल के वर्ण अधिक से दो जो हैं होते शब्द / किन् वह कि चाहिए होनी जानकारी हमें लिए के बनाने जिनको है बनते—किन् वर्ण के मेल से बनते हैं जैसे

1	ह एवं य से ह्य	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'य' दबाये
2	ह एवं म से ह्य	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'म' दबाये
3	ह एवं न से ह	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'न' दबाये
4	ह एवं र से ह	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'र' दबाये
5	द एवं भ से द्भ	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'भ' दबाये
6	द एवं द से द्द	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'द' दबाये
7	क एवं त से क्त	सबसे पहले 'ह' बनाए फिर शिफ्ट के साथ '+' दबाये फिर 'त' दबाये

लेकिन इनके अलावा कुछ सिम्बल बनाने के लिए जानकारी निम्नानुसार है

ट्र बनाने के लिए – ट एवं Z बटन

ह बनाने के लिए – ह एवं + बटन

कृ बनाने के लिए – क एवं + बटन

फ बनाने के लिए – फ एवं + बटन (साथ के शिफ्ट)

ऊ बनाने के लिए – उ एवं Q बटन (साथ के शिफ्ट)

ई बनाने के लिए – इ एवं Z बटन (साथ के शिफ्ट)

फ बनाने के लिए – फ एवं Z बटन (थसा के शिफ्ट)

इसी प्रकार अन्य वर्ण बनते हैं। जब हम दो या अधिक वर्ण को मिलाकर किसी नये वर्ण को बनाते हैं तो हमें पहले अक्षर को आधा करना होता है। रेमिंगटन ले आऊट में किसी भी अक्षर को आधा करने के लिए हलंत का उपयोग करना होता है जो शिफ्ट के साथ प्लस बटन दबाने से बनता है कुछ उपयोगी शब्द एवं वर्ण कि जानकारी निम्न है:-

- डॉ बनाने के लिए डा के बाद W के नीचे दबाएं (शिफ्ट के साथ), इसी प्रकार कॉ फॉ, रॉ, आदि बनाए जाते हैं।
- ढ के नीचे बिंदी बनाने के लिए ~ बटन दबाएं (टिल्ड), इसी प्रकार पढ़, चढ़, गढ़, आदि बनाएं जाते हैं।
- हय बनाने के लिए ह के बाद प्लस एवं म दबाएं (शिफ्ट के साथ), इसी प्रकार से ह, ह, हय आदि बनाए जाते हैं।
- ह बनाने के लिए ह के बाद प्लस बटन दबाएं, इसी प्रकार से कृ, पृ, मृ, आदि बनाएं जाते हैं।
- द बनाने के लिए द के बाद हलंत लगाएं एवं पुनः द बनाएं इसी प्रकार द्, त्त, क्ख, द्द आदि बनाएं जाते हैं।

उपरोक्त वर्ण एवं शब्दों के अलावा अन्य ऐसे वर्ण भी होते हैं जो किसी वर्ण को मिलाकर नहीं बनाए जा सकते, जैसे -, !, +, = आदि। रेमिंगटन ले आऊट में ऐसे वर्णों को बनाने के लिए कुछ शॉर्टकट कीज निर्धारित है जो अल्ट के साथ प्रयुक्त होती हैं।

कुछ उपयोगी शॉर्टकट कीज निम्नानुसार हैं

यूजर्स ? सिम्बल नहीं बना पाते क्योंकि शायद विंडोज से दांयी तरफ का अल्ट बटन निष्क्रिय होता है। इसलिए अगर आप विंडोज उपयोग कर रहे हैं तो आप को बांयी तरफ वाले अल्ट बटन का उपयोग करना चाहिए

Alt & ! से 33

Alt & + से 43

Alt & 61 से =

Alt & 63 से ?

❖ रेमिंगटन सीबीआई (Remington CBI)

रेमिंगटन सीबीआई कीबोर्ड का लेआउट निम्न प्रकार होगा।



Hindi Remington CBI Keyboard Layout

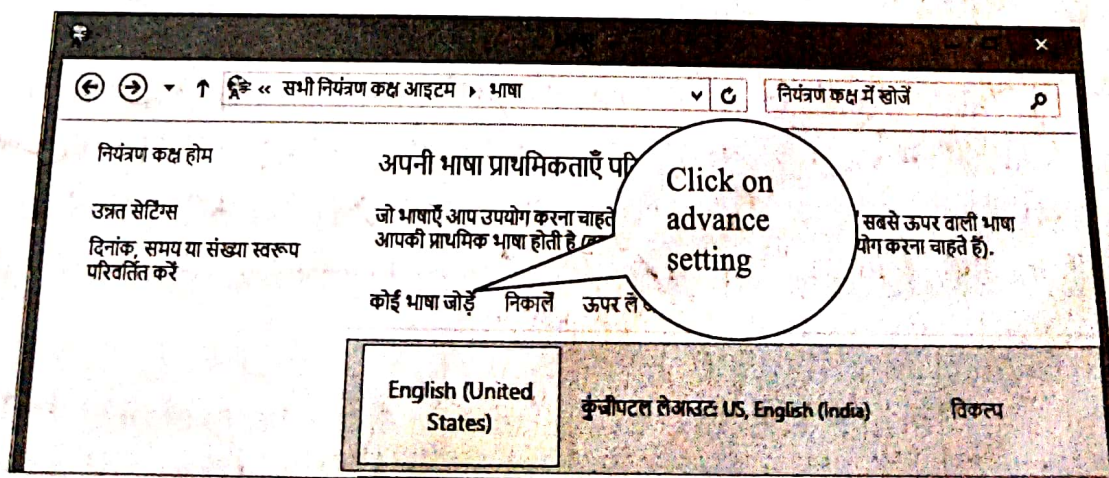
इस कीबोर्ड लेआउट में टाईपिंग उसी प्रकार होती है जैसे Kruti Dev 010 फॉन्ट में होती है। यदि कोई ऑपरेटर Kruti Dev फॉन्ट में टाईपिंग करता है वह आसानी से इस फॉन्ट पर टाईपिंग कर सकता है। इस कीबोर्ड का लेआउट भी रेमिंगटन गेल जैसा ही है तथा दोनों में टाईपिंग करने का तरीका भी एक जैसा ही है इस लेआउट की कुछ कमियाँ थी जिनको रेमिंगटन गेल कीबोर्ड में दूर कर दिया गया। अतः इस कीबोर्ड के स्थान पर रेमिंगटन गेल कीबोर्ड का प्रयोग किया जाता है।

❖ हिंदी इंस्क्रिप्ट (Hindi In script)

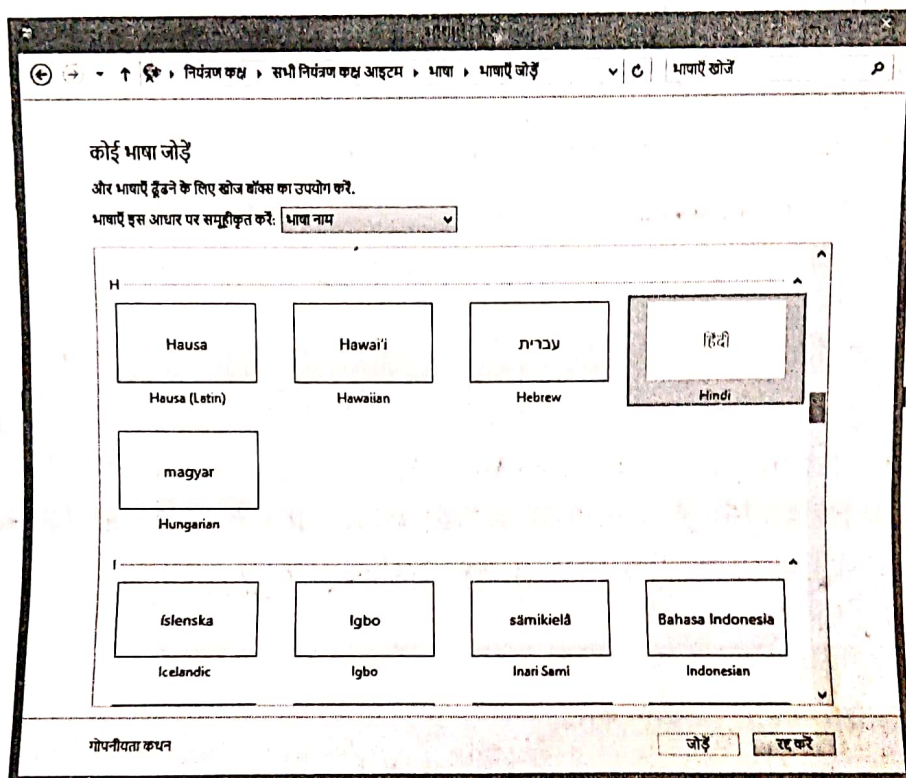
विण्डोज 8.1 में हिंदी इंस्क्रिप्ट कीबोर्ड की सैटिंग कैसे करें? (Windows 8.1 How to set Hindi in script Keyboard?)

- सर्वप्रथम कन्ट्रोल पैनल को ऑपन करें।
- कन्ट्रोल पैनल से भाषा ऑप्शन को सलेक्ट करें।
- ऐसा करने पर भाषा डायलॉग बॉक्स निम्न प्रकार ऑपन होगा—

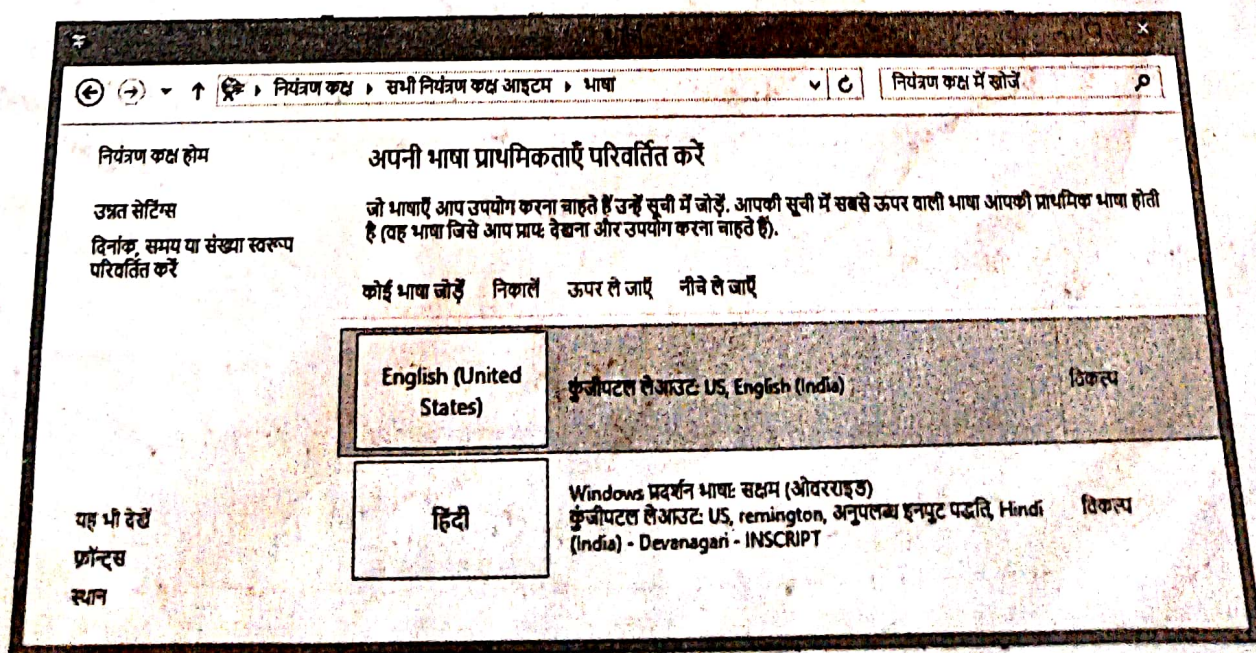
भाषा



- उपरोक्त भाषा डायलॉग बॉक्स में कोई भाषा जोड़ें (Add Language) पर क्लिक करें। ऐसा करने पर निम्न डायलॉग बॉक्स ऑपन होगा।



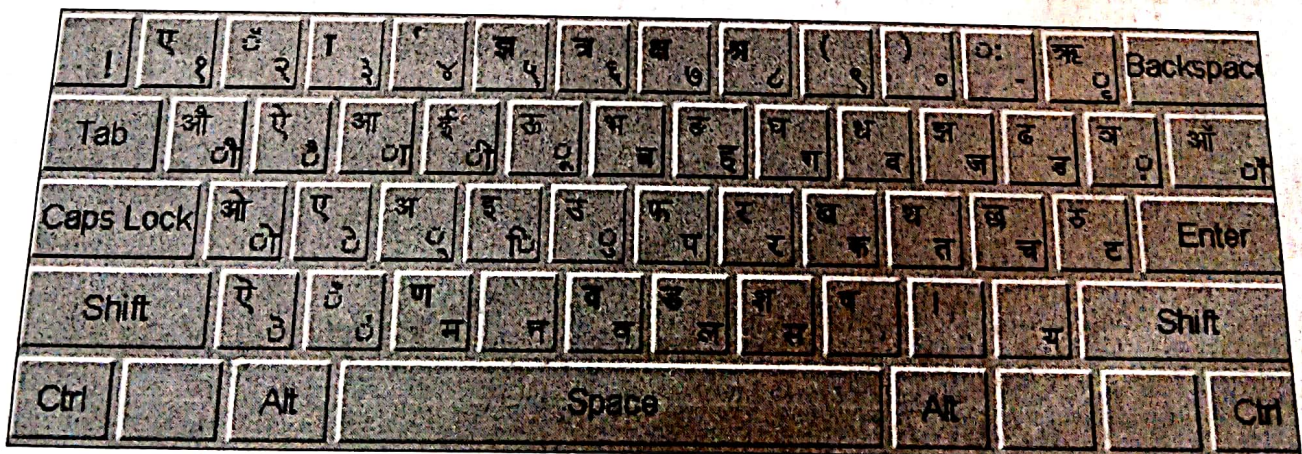
- उपरोक्त भाषा डायलॉग बॉक्स में हिंदी भाषा को चुने तथा अंत में जोड़ें (Add) कमाण्ड पर क्लिक करें। ऐसा करने पर भाषा डायलॉग बॉक्स में हिंदी भाषा का आइकन एड हो जायेगा जो निम्न प्रकार होगा।



- उपरोक्त भाषा डायलॉग बॉक्स में हिंदी आइकन के आगे विकल्प ऑप्शन पर क्लिक करें। ऐसा करने पर जो डायलॉग बॉक्स ऑपन होगा उसमें एड इनपुट मैथर्ड ऑप्शन पर क्लिक करें। इससे निम्न डायलॉग ऑपन होगा।

कोई इनपुट पद्धति जोड़े		
INSCRIPT	Hindi (India) - Devanagari - INSCRIPT	पूर्वावलोकन
INSCRIPT	Hindi Traditional स्पर्श कुंजीपटल सेआउट	पूर्वावलोकन
करीबीई	remington	पूर्वावलोकन
INSCRIPT	Marathi स्पर्श कुंजीपटल सेआउट	पूर्वावलोकन
नेपाली	Nepali स्पर्श कुंजीपटल सेआउट	पूर्वावलोकन

- उपरोक्त भाषा डायलॉग बॉक्स में Hindi (India) Devanagari-INSKRIP्ट ऑप्शन को सलेक्ट करें तथा Add कमाण्ड पर क्लिक करें। ऐसा करने पर आप इस किबोर्ड लेआउट का प्रयोग कर पाएंगे। इस तरीके से आप अपने किबोर्ड लेआउट में मंगल फॉण्ट भी जोड़ सकते हैं।



हिंदी इंस्क्रिप्ट (Hindi In script)

इस किबोर्ड लेआउट में टाईप करने के नियम

- यह किबोर्ड लेआउट आपके लिए नया है तथा आपको इस पर नये सिरे से टाईपिंग सीखनी होगी।

हिंदी इंडिक इनपुट टूल (Hindi Indic Input Tool)

इस टूल का प्रयोग भी हिंदी मंगल टाईपिंग के लिए किया जाता है यह टूल टाईपिंग में काफी आसान होता है। इसमें हमें सीधा ही टाईप करना होता है जैसे हम मोबाईल में संदेश टाईप करते हैं। इसके लिए हमें यह टूल डाउनलोड कर अपने कम्प्यूटर में इंस्टॉल करना होता है।

टाईपिंग उदाहरण

कुमार

कोम्पुतेर

कुमार

कुआमारा ✕

कुआमरा

कुमरा

कुमार

kumaar

कोम्पुतेर

कम्प्यूटर ✕

कंप्यूटर

कोम्पुतेर

computer

उपरोक्त टूल हमें टाईपिंग करते समय सलेक्ट करने के लिए ऑप्शन प्रदान करता है प्रकट हुए ऑप्शन में से हम सही ऑप्शन का चुनाव भी कर सकते हैं।

गुगल हिंदी इनपुट टूल (Google Hindi Input Tool)

इस टूल का प्रयोग भी हिंदी मंगल टाईपिंग के लिए किया जाता है यह टूल टाईपिंग में काफी आसान होता है। इसके लिए हमें यह टूल डाउनलोड कर अपने कम्प्यूटर में इंस्टॉल करना होता है। यह भी हिंदी इंडिक इनपुट टूल की तरह ही कार्य करता है।

हिन्दी वर्ण माला के विशेष अक्षर तथा उनको लिखने के कोड-

क.सं.	अक्षर	कोड
1.	६	Alt + 0164
2.	ज	Alt + 0165
3.	६	Alt + 0167
4.	१	Alt + 0168
5.	१	Alt + 0169
6.	^	Alt + 0170
7.	उ	Alt + 0171
8.	१	Alt + 0174
9.	६	Alt + 0177
10.	ड	Alt + 0179
11.	ज	Alt + 0180
12.	प	Alt + 0182
13.	5	Alt + 0183
14.	"	Alt + 0222
15.	"	Alt + 0223
16.	झ	Alt + 0224
17.	झ	Alt + 0225
18.	ह	Alt + 0226
19.	झ	Alt + 0227
20.	क्त	Alt + 0228
21.	०	Alt + 0229
22.	द्र	Alt + 0230
23.	प्र	Alt + 0231
24.	६	Alt + 0232
25.	न्न	Alt + 0233
26.	ह	Alt + 0234
27.	ह	Alt + 0235
28.	ह	Alt + 0236
29.	ह	Alt + 0237
30.	य	Alt + 0238
31.	ह	Alt + 0239
32.	व	Alt + 0240
33.	०	Alt + 0241

Handwritten marks in the bottom left corner, possibly initials or a signature.